Patrika (Indore), 09th July 2025, Page – Plus 02

आइआइटी इंदौर में शुरू हुआ तकनीकी सम्मेलन 'आइसीसीसीएनटी 2025'

99 देशों के 10 हजार से ज्यादा शोधपत्र होंगे प्रस्तुत, उद्योग प्रदर्शनी में दिखेंगी नई तकनीकें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में 6 जुलाई से 16वें आइईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (आइसीसीसीएनटी 2025) की शुरुआत हुई। यह 6 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तकनीकी नवाचार और शोध को समर्पित है। इसका उद्घाटन आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी ने किया। सम्मेलन की अध्यक्षता आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर सूर्य प्रकाश ने की, जबकि संयुक्त अध्यक्ष यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन, अमेरिका के प्रो. प्रकाश दुरईसामी रहे। सम्मेलन में अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा, आइआइटी दिल्ली, आइआइटी कानपुर सहित देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

इसलिए खास है सम्मेलन

सम्मेलन में 10 हजार से ज्यादा शोधपत्र जमा हुए, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एसटीएमई सम्मेलन बनाता है। 99 देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। आइसीसीसीएनटी के इतिहास की सबसे बड़ी भागीदारी है। 900 शोधपत्र विदेशी प्रतिभागियों ने भेजे हैं, जिससे सम्मेलन की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है। पहली बार उद्योग प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, जिसमें निजी और सरकारी संस्थाएं अपनी नई तकनीकों और प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन कर रही हैं।

इन तकनीकों पर चर्चा

सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, वायरलेस सिस्टम, 6 फीसदी तकनीक और स्मार्ट कंप्यूटिंग जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा, यह सम्मेलन विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के लिए एक शानदार अवसर है, जो तकनीक के उभरते क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहते हैं। प्रो. सूर्य प्रकाश ने कहा, यह सम्मेलन स्थायी इनोवेशन की सोच को बढ़ावा देता है।